(ग) 1993-94 और 30 जून 1994 तक गलत मीटर रखने के आरोपों के लिए कितने आटोरिक्शा चालकों को पकड़ा गया है; और

(घ) उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) जी, नहीं।

(ख) जी, हां।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान और 30 जून, 1994 तक क्रमशः 3095 और 633 आटो रिक्शा ड्राइवरों को गलत मीटर रखने के आरोपों पर पकड़ा गया था।

(घ) दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा मोटर वाहन अधिनियम/नियमावली के उपबंधों के अधीन कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

3039. **श्री कैलाश नारायण सारंग: क्या जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत सरकार ने देश में सड़कों के विकास हेतु कोई योजना तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान मध्य प्रदेश में सड़कों की वह अतिरिक्त लम्बाई क्या है जिसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने का विचार है और किलोमीटर में वह कुल लम्बाई क्या है जिसे मंजूरी दे दी गई है;

(ग) राज्य में उन सड़कों के नाम क्या हैं जिन्हें कि वर्ष 1984 में राष्ट्रीय यातायात समिति द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने की सिफारिश की गई थी और इनमें से उन सड़कों की कुल संख्या कितनी है जिन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है; और

(घ) क्या राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई के लक्ष्यों की प्राप्ति न होने के कारण विकास की रफ्तार में कोई रुकावट आएगी?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) भारत सरकार का संबंध मुख्यतः केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सड़कों से है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास एक सतत प्रक्रिया है और सुधारात्मक कार्य, सड़क की हालत, यातायात की सघनता, कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता तथा इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध धन आदि को ध्यान में रख कर किए जाते हैं।

(ख) कोई नहीं।

(ग) से (घ) रा०प०नी०स० (राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति) ने मई, 1980 में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ, गये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किए जाने के लिए मध्य प्रदेश की नौ सड़कों की सिफारिश की थी। जिनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)। इनमें से केवल दो सड़कों की राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में घोषित किया गया है और शेष सड़कों को बजटगत कठिनाइयों के कारण नये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित नहीं किया जा सका। जिसके फलस्वरूप विकास की प्रगति वांछित स्तर तक नहीं हो पाती।

विवरण

राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

क्रम सं०	मार्ग का नाम	लम्बाई (कि०मी०)
1.	2	3
1.	ग्वालियर-झांसी-खजुराहें-रीवा	460
2.	नागपुर-ओबेदुल्लाहगंज (भोपाल तक)	350
3.	जबलपुर-शहडोल-अम्बिकापुर-गुमला	520
4.	रायपुर-वाराणसी	620
5.	बेरहामपुर-रायपुर	550
6.	अहमदाबाद-इन्दौर-देवात-भोपाल	510
7	जयपुर-कोटा-बिआओरा (भोपाल तक)	450
8.	राजमुंदरी-जगदलपुर	340
9.	निजामाबाद-जगदलपुर	460

Enhancing the Target of Inland Waterways

3040. SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Inland Waterways Authority of India has not